



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)
PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 342] नई दिल्ली, शनिवार, सितम्बर 21, 1991/भाद्र 30, 1913
No. 342] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 21, 1991/BHADRA 30, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

मुम्बई

अधिमूचना

नई दिल्ली, 21 सितम्बर, 1991

भारत विकास बंधपत्र स्कीम

सा का. नि. 507 (अ). — भारतीय रिजर्व बैंक, विदेशी मुद्रा प्रेषण
और विदेशी मुद्रा बंधपत्र विनियमन (उन्मुक्ति और छूट) अधिनियम,
1991 (1991 का 11) में धारा 5 की उप-धारा (1) के खण्ड (क)
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्नलिखित स्कीम विहित
करता है, अर्थातः—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ:—

(1) इस स्कीम का संक्षिप्त नाम भारत विकास बंधपत्र स्कीम,
1991 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रयुक्त होगी।

2. परिभाषाएं:

इस स्कीम में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो:—

(क) 'अधिनियम' से विदेशी मुद्रा प्रेषण और विदेशी मुद्रा बंधपत्र
विनियमन (उन्मुक्ति और छूट) अधिनियम, 1991 (1991 का
41) अभिप्रेत है;

(ख) 'विदेशी मुद्रा बंधपत्र' (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त विदेशी
मुद्रा बंधपत्र कहा गया है) इस स्कीम के अनुसार भारतीय
स्टेट बैंक द्वारा घमरीकी हालर में अंकित बंधनपत्र की प्रकृति
में निकाला गया भारत विकास बंधपत्र अभिप्रेत है।

(ग) 'भारतीय स्टेट बैंक' से भारतीय स्टेट बैंक अधिनियम, 1955
(1955 का 23) के अधीन गठित भारतीय स्टेट बैंक
अभिप्रेत है।

(घ) इस स्कीम में प्रयुक्त सभी अन्य शब्दों और अभिव्यक्तियों
के किन्तु जिनके परिभाषित नहीं किया गया है और अधि-
नियम तथा विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम, 1973
(1973 का 46) में परिभाषित किया गया है, क्रमशः वही
अर्थ होंगे जो उनके उस अधिनियम में हैं।

3. विदेशी मुद्रा बंधपत्र का अधिकृत मूल्य

विदेशी मुद्रा बंधपत्र 500 अमरीकी डालर,
1000 अमरीकी डालर, 5000 अमरीकी डालर,
10,000 अमरीकी डालर और 50,000 अमरीकी डालर के
अधिकृत मूल्य में जारी किए जायेंगे।

4. परिपक्वता की अवधि

विदेशी मुद्रा बंधपत्र की परिपक्वता अवधि इसके प्रावर्तन की तारीख
से पांच वर्ष होगी।

5. व्यक्ति, जो विदेशी मुद्रा बंधपत्र के लिए आवेदन करने के लिए
पात्र हैं :—

- (1) अनिवासी भारतीय (जिसे इसमें इसके पश्चात् अनिवासी भारतीय कहा गया है), विदेशी निगमित निकाय (जिसे इसमें इसके पश्चात् विदेशी निगमित निकाय कहा गया है) और अनिवासी भारतीय और विदेशी निगमित निकाय को और से वैधानिक हैसियत से काम करने वाले बैंक विदेशी मुद्रा बंधपत्र के लिए आवेदन कर सकेंगे।
- (2) धन्यस्क अनिवासी भारतीय के नाम से भी उसके संरक्षक के माध्यम से आवेदन किया जा सकेगा।
- (3) अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय की ओर से वैधानिक हैसियत में कार्य करने वाले बैंक ऐसे अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय या दोनों की ओर से उन अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय का नाम और पता प्रकट नहीं कर सकेगा जिसकी ओर से निनिष्ठान किया जा रहा है, किन्तु ऐसा बैंक विदेशी मुद्रा बंधपत्र के चालू रहने के दौरान किसी भी प्रक्रम पर अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय से भिन्न किसी अन्य व्यक्ति की ओर से कार्य नहीं करेगा। परन्तु यह कि उन्हें बैंकों को ऐसे अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय से भिन्न जिनकी ओर से विदेशी मुद्रा बंधपत्र में प्रथम बार निनिष्ठान किया गया था अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय की ओर से विदेशी मुद्रा बंधपत्रों को धारण करने के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

6. संयुक्त रूप से धारण करना

- (1) विदेशी मुद्रा बंधपत्र दो से अधिक अनिवासी भारतीयों के संयुक्त नाम से 'पूर्वतर' या 'उत्तरजीवी' के रूप में, धारण किए जा सकेंगे।
- (2) विदेशी मुद्रा बंधपत्र किसी अनिवासी भारतीय द्वारा 'पूर्वतर' या 'उत्तरजीवी' के रूप में जो भारतीय नाटिकता वाले किसी व्यक्ति के साथ चाहे वह भारत का निवासी हो अथवा नहीं, संयुक्त रूप से धारण किया जा सकेगा और ऐसे मामलों में अनिवासी भारतीय विदेशी मुद्रा बंधपत्र का प्रथम धारक होगा।
- (3) विदेशी मुद्रा बंधपत्र का मूल धन और उस पर अर्जित ब्याज केवल विदेशी मुद्रा बंधपत्र के प्रथम धारक को संवेद्य होगा।

7. संयुक्त धारकों में परिवर्तन

पैरा 6 के खंड (1) के उपबंध के अधीन रहते हुए, विदेशी मुद्रा बंधपत्र के धारक को, ऐसे किसी भी व्यक्ति को जो या तो अनिवासी भारतीय है या निवासी भारतीय हो सकता है, संयुक्त धारक के रूप में 'पूर्वतर' या 'उत्तरजीवी' को संशय के अनुदेशों के साथ परिवर्तन के लिए अनुज्ञात किया जा सकेगा।

8. ब्याज की दर और ब्याज का विकल्प

- (1) विदेशी मुद्रा बंधपत्रों के ब्याज में वृद्धि और कटौत विदेशी मुद्रा बंधपत्रों के जारी करने की तारीख को भारत में अमरीकी डालर के निवे विदेशी करेंसी प्रतिभासी भारतीय खाता निक्षेप के लिए लागू विद्यमान दर से 0.5 प्रतिशत से अधिक होगी।
- (2) आवेदक द्वारा आवेदन में दिए गए विकल्प पर ब्याज संवेद्य या असंवेद्य आधार पर संवेद्य होगा : परन्तु एक बार प्रयोग किए गए विकल्प में संशोधन, वित्तीय करस्थम और ऐसे हो करने सम्भव आधारों जैसा कि भारतीय स्टेट बैंक प्रत्येक मामले में निर्दिष्ट करें, के सिवाय, परिवर्तन नहीं किया जाएगा।
- (3) ब्याज के विकल्प पर ध्यान दिए बिना प्रत्येक मामले में, आवेदन के धन पर ब्याज का संशय विदेशी मुद्रा बंधपत्र को लागू दर पर अमरीकी डालर (365 दिन के एक वर्ष पर आधारित) में उस तारीख के निम्नो संशुद्ध करने वाले बैंक की प्रतिष्ठित शाखा में तब प्रसार में पूर्ण आवेदन की प्राप्ति की तारीख से आवेदन का तारीख से ठीक पूर्व की तारीख तक किया जाएगा।

परन्तु इस पैरा के अधीन ब्याज का मापन करने में सभी प्रसार में पूर्ण आवेदन की प्राप्ति की तारीख से दस दिन की अवधि को अवगणित किया जाएगा।

9. ब्याज के संशय की अवधि

संवेद्य आधार पर विदेशी मुद्रा बंधपत्रों पर ब्याज का अर्द्ध वार्षिक रूप से प्रशसन किया जाएगा और परिपक्वता पर मूल धन के साथ इसका संशय किया जाएगा।

(2) असंवेद्य आधार पर विदेशी मुद्रा बंधपत्रों पर ब्याज का संशय अर्द्धवार्षिक रूप से किया जाएगा। पहला भुगतान आवेदन की तारीख से 6 मास के अंतर पर किया जाएगा।

(3) विदेशी मुद्रा बंधपत्र का धारक, यदि विदेशी मुद्रा बंधपत्र की परिपक्वता से पहले भारत का निवासी हो जाता है या विदेशी मुद्रा बंधपत्र का धारक भारत का निवासी है, तो ब्याज का संशय असंप्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपय में उस तारीख से जिन का ब्याज शोध हो जाता है ठीक 15 दिन पूर्व के भारतीय स्टेट बैंक की तार अंतरादेश के अमरीकी डालर के लिए अथवा पर किया जाएगा यदि ऐसा तारीख शिवाय/कुछा का दिन है तो भारतीय स्टेट बैंक के आने का दिन के तार अंतरादेश कर दर को हिसाब में लिया जाएगा।

10. परिपक्वता पर विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का मोचन:

(1) विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का मोचन और उन पर प्रोदभूत तथा असंदत ब्याज आवेदन की तारीख से पांच वर्ष की अवधि के अवसान पर अमरीकी डालरों में संशय किया जाएगा यदि विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का धारक कोई अनिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय है या ऐसा बैंक है जो अनिवासी भारतीयों का विदेशी निगमित निकायों की ओर से वैधानिक हैसियत में कार्य कर रहा है।

(2) विदेशी मुद्रा बंधपत्र की परिपक्वता से पहले, जब विदेशी मुद्रा बंधपत्र का धारक भारत का निवासी हो जाता है या विदेशी मुद्रा बंधपत्र का धारक भारत का निवासी है या विदेशी मुद्रा बंधपत्र का ऐसा व्यक्ति को दान दिया जाता है जो भारत का निवासी है, तो विदेशी मुद्रा बंधपत्र के सम्पन्न मोचन और

उस पर अर्जित व्याज का संदाय, विदेशी मुद्रा बंधपत्र की परिपक्वता की तारीख की प्रचलित भारतीय स्टेट बैंक की अमरीकी डालर के लिए तार अंतरणादेश क्रम दर पर असंप्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपयों में किया जाएगा।

(1) आगमनों के निपटान से संबंधित अनुबंधों के अनुसार सम्यक् रूप से उन्मुक्त विदेशी मुद्रा बंधपत्र निर्गमन कार्यालय भारतीय स्टेट बैंक अतिवासी भारतीय शाखा पोस्ट बाक्स 9551, पहला तल, तुयसियानी चैम्बर्स, 212, नरिमन प्वाइंट, मुम्बई-400031 में प्रस्तुत किए जाएंगे।

(4) जहाँ विदेशी मुद्रा बंधपत्रों की परिपक्वता की तारीख के पश्चात् भुनाने के लिए प्रस्तुत किया जाता है तो उन पर परिपक्वता की तारीख के पश्चात् कोई व्याज प्रोद्भूत नहीं होगा, और विदेशी मुद्रा बंधपत्र के निवासी धारक के मामले में, संपादक के लिए जो अमरीकी डालर के लिए भारतीय स्टेट बैंक को तार अंतरणादेश क्रम दर, परिपक्वता की तारीख को प्रचलित है।

11. समयपूर्व भुनाने।

विदेशी मुद्रा बंधपत्र को समय पूर्व भुनाने के लिए केवल असंप्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपयों में अनुज्ञात किया जा सकेगा। विदेशी मुद्रा बंधपत्र के समयपूर्व भुनाने के मामले में संपादक की दर भुनाने की तारीख को अमरीकी डालर के लिए भारतीय स्टेट बैंक की विद्यमान तार अंतरणादेश दर होगी। समयपूर्व भुनाने के मामले में व्याज की संगणना निम्नलिखित दर से की जाएगी।

सारणी

निम्नलिखित के पश्चात् भुनाने पर	लागू व्याज की दर
(i) आक्टन की तारीख से 1 वर्ष	7.5 प्रतिशत
(ii) आक्टन की तारीख से 2 वर्ष	9.0 प्रतिशत
(iii) आक्टन की तारीख से 3 वर्ष	8.5 प्रतिशत
(iv) आक्टन की तारीख से 4 वर्ष	9.0 प्रतिशत

टिप्पणः—ऊपर की दरें, व्याज 9.5 प्रतिशत वार्षिक की कल्पित दर के आधार पर हैं। उक्त कल्पित दरों में किसी परिवर्तन की दशा में, ऊपर की दरों में मामानामुपातिक रूप से परिवर्तन कर दिया जाएगा।

(2) जहाँ व्याज विदेशी मुद्रा बंधपत्र पर असंचयी आधार पर संवेद्य है वहाँ पहले से संवेद्य व्याज की बाबत आवश्यक समायोजन किया जाएगा।

(3) यदि विदेशी मुद्रा बंधपत्रों को भुनाने के लिए उनके आक्टन की तारीख से एक वर्ष की समाप्ति से पहले प्रस्तुत किया जाता है तो उस पर कोई व्याज संवेद्य नहीं होगा।

12. हस्तांतरणीयता

(1) विदेशी मुद्रा बंधपत्र पुष्ठांकन और परिदान द्वारा हस्तांतरणीय है। विदेशी बंधपत्र अतिवासी भारतीय विदेशी निगमित निकायों और अतिवासी भारतीयों या विदेशी निगमित निकायों या दोनों की ओर से वैश्वासिक हैसियत में कार्य कर रहे बैंक के बीच मुक्त रूप से हस्तांतरणीय है।

(2) विदेशी मुद्रा बंधपत्र, अतिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकायों की ओर से वैश्वासिक हैसियत में

कार्य कर रहे अतिवासी भारतीय / विदेशी निगमित निकायों/बैंक द्वारा भारत के निवासी किसी व्यक्ति (व्यक्तियों)/भारत में पूर्ण न्यास दान या क्रय के माध्यम से असंप्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपयों में हस्तांतरणीय है।

(3) विदेशी मुद्रा बंधपत्र भारत में निवासी व्यक्तियों के मध्य भी हस्तांतरणीय है।

(4) अंतरण, निर्गमन कार्यालय या इसके अंतरण अधिकर्ता के पास सेवा फोन के संदाय पर रजिस्ट्रीकृत किया जाएगा।

(5) जहाँ विदेशी मुद्रा बंधपत्र पर व्याज संचयी आधार पर संवेद्य है, अंतरण, उप तारीख से जिसको व्याज का संदाय शोध्य हो जाता है, ठीक पूर्व 15 दिन के दौरान अनुज्ञेय होगा।

13. उन्मुक्ति और छूट

ऐसे अतिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय या अतिवासी भारतीयों और विदेशी निगमित निकायों की ओर से वैश्वासिक हैसियत में कार्य कर रहे बैंक या भारत में निवासी ऐसे किसी व्यक्ति को जिसे ऐसे अतिवासी भारतीयों या विदेशी निगमित निकायों या अतिवासी भारतीयों / विदेशी निगमित निकायों या दोनों की ओर मुद्रा से वैश्वासिक हैसियत में कार्य कर रहे बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा बंधपत्र दान में दिए गए हैं, अधिनियम की धारा 6 और 7 में यथा उपबंधित उन्मुक्तियों और छूट प्रदान की जाएंगी।

14. धारकों के भारत लौटने पर या यदि विदेशी मुद्रा बंधपत्र भारत में निवासी किसी व्यक्ति या भारत में किसी पूर्ण न्यास को दान में दिए गए हैं, विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का उपचार

जहाँ विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का कोई धारक भारत का निवासी हो जाता है या किसी भारत में निवासी व्यक्ति को अथवा भारत में पूर्ण न्यास को विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का दान कर देता है, विदेशी मुद्रा बंधपत्र धारक की प्रावधानिक प्राप्ति को विचार में लिए बिना परिपक्वता तक अमरीकी डालर में अंकित किए जाते रहेंगे:

परंतु एक बार जब विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का धारक भारत का निवासी हो जाता है या विदेशी मुद्रा बंधपत्र भारत में निवासी किसी व्यक्ति या भारत में किसी पूर्ण न्यास को दान में दे दिए जाते हैं/अंतरित कर दिए जाते हैं, तब व्याज और विदेशी मुद्रा बंधपत्रों के परिपक्वता प्राप्ति जैसा कि मद 9 और 10 में उपबंधित है असंप्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपयों में संवेद्य होगा।

15. उधार और अग्रिम

विदेशी मुद्रा बंधपत्र के धारक या, यथास्थिति संयुक्त धारण की दशा में प्रथम धारक भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में समय-समय पर जारी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार भारत में बैंकों से असंप्रत्यावर्तनीय भारतीय रुपयों में उधार प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे उधार पर व्याज और मूलधन दोनों का प्रतिसंदाय या तो इन विदेशी मुद्रा बंधपत्रों पर उपार्जित व्याज या परिपक्वता प्राप्ति अथवा विदेशी मुद्रा बंधपत्रों को दोनों या विदेश से नई विदेशी करेंसी प्रेषणों द्वारा या विदेशी करेंसी अतिवासी खातों या अतिवासी विदेशी खातों में अतिशेष से किया जाएगा।

16. अधिकतम क्रय

अतिवासी भारतीय या विदेशी निगमित निकाय या अतिवासी भारतीयों या विदेशी निगमित निकायों या दोनों की ओर से

वैश्वव्यापक हैसियत में कार्य कर रहे बैंकों द्वारा किसी भी संख्या में विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का क्रय किया जा सकेगा।

17. अभिदान का बंट

विदेशी मुद्रा बंधपत्रों के लिए अभिदान अमरीकी डॉलरों में अंकित सकल/शुद्ध बैंक ड्राफ्ट/तार अंतरणादेश द्वारा किया जा सकता है। भारत में रखे गए अनिवार्य विदेशी (रुपया) खाता, या विदेशी करेंसी अनिवार्य खाता में धारित निधियों का भी अमरीकी डॉलरों में संपरिवर्तन के पश्चात् उपयोग किया जा सकेगा। आवेदन किए गए विदेशी मुद्रा बंधपत्रों की पूर्ण रकम आवेदन करने पर संदेय है।

18. आवेदन और आश्रय :

(1) अनिवार्य भारतीयों या विदेशी निगमित निकाय या अनिवार्य भारतीयों या विदेशी निगमित निकायों या दोनों का और से वैश्वव्यापक हैसियत में कार्य कर रहे बैंक द्वारा आवेदन केवल :

- (i) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विहित प्ररूप में किया जाएगा, जो उक्त प्ररूप में अंतर्विष्ट अनुबंधों के अनुसार सभी प्रकार से पूर्ण होगा।

परन्तु यदि उक्त प्ररूप उपलब्ध न हो तो पूर्वोक्त प्ररूप की फोटो प्रति का भी प्रयोग किया जा सकता है ;

- (ii) 500 अमरीकी डॉलर के गुणज में किए जाएंगे।

(2) आवेदक निर्गम के लागू रहने की अवधि के दौरान किसी भी संख्या में आवेदन प्रस्तुत कर सकेगा।

(3) जब मुक्तारनाम के निबंधनों के अनुसार किसी व्यक्ति को और से आवेदन लिता जाता है तो संगत मुक्तारनाम या सम्यक् रूप से प्रमाणित उसकी एक प्रति आवेदनपत्र के साथ संलग्न की जाएगी।

(4) अनिवार्य भारतीयों या विदेशी निगमित निकायों अथवा दोनों की और से वैश्वव्यापक हैसियत में कार्य कर रहे बैंकों द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदनों के साथ, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विहित प्रमाणपत्र संलग्न किया जाएगा जिसमें उनकी प्रास्थिति और विदेशी मुद्रा बंधपत्रों के लिए आवेदन करने की पात्रता की पुष्टि की गई हो।

(5) विदेशी निगमित निकायों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले आवेदन के साथ भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा विहित प्रमाण पत्र संलग्न किया जाएगा जिसमें उनकी प्रास्थिति और विदेशी मुद्रा बंधपत्रों के लिए आवेदन करने की पात्रता की पुष्टि की गई हो।

19. आवेदनों और आवेदन धन का निपटारा

(1) भारतीय स्टेट बैंक को कोई कारण दिए बिना किसी भी आवेदन को स्वीकार करने या अस्वीकार करने का अधिकार होगा। यदि कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाता है, तो प्राप्त किए गए संपूर्ण आवेदन धन का प्रतिमंदाय आवेदक को निर्गम के बंद होने की तारीख से 15 दिन के भीतर बिना किसी व्याज के किया जाएगा।

(2) विदेशी मुद्रा बंधपत्र निर्गम की समाप्ति की तारीख से 60 दिन के भीतर आश्रित किए जाएंगे, जिसके पश्चात् वे आवेदक को डाक द्वारा प्रेषित किए जाएंगे। ऐसे मामलों में, जहां आवेदन स्वीकार कर लिए जाते हैं और आश्रित नहीं किया जाता, वहां अमरीकी डॉलरों में लिखे गए, न्यूयार्क में संदेय प्रतिदाय बैंक या संदाय आदेश आवेदक का डाक द्वारा प्रेषित कर दिये जाएंगे।

(3) जहां आवेदन संयुक्त धारण के लिए किया गया है, जहां प्रतिदाय आदेश यदि कोई हो, प्रथम आवेदक के नाम में जारी

किए जाएंगे और सभी पत्र-व्यवहार उक्त आवेदक के साथ किया जाएगा।

20. साधारण

भारतीय रिजर्व बैंक को, उन देशों की गददतियों या अधिनियमितियों से उत्पन्न होने वाली कठिनाइयों पर निर्भर रहते हुए, जहां विदेशी मुद्रा बंधपत्रों का विक्रय किया जा सकेगा स्कीम में ऐसे परिवर्तन करने की शक्तियां होंगी, जो अधिनियम के उद्बन्धों से प्रभगत नहीं हैं।

[फाईल नम्बर 1/27/ई सी/91]

प्रेस मास्टर अरोड़ा, संयुक्त नियंत्रक

RESERVE BANK OF INDIA

CENTRAL OFFICE

BOMBAY

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st Sept. 1991

INDIA DEVELOPMENT BONDS SCHEME

G.S.R. 597 (E) :—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 5 of the Remittances of Foreign Exchange and Investment in Foreign Exchange Bonds (Immunities and Exemptions) Act, 1991 (41 of 1991) the Reserve Bank of India hereby specifies the following scheme, namely :—

(1) Short title and commencement.— (1) This scheme may be called the India Development Bonds Scheme, 1991.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. Definitions : In this Scheme, unless the context otherwise requires,—

(a) “Act” means the Remittances of Foreign Exchange and Investment in Foreign Exchange Bonds (Immunities and Exemptions) Act, 1991 (41 of 1991);

(b) “Foreign Exchange Bonds” means India Development Bonds, (hereinafter referred to as FEBs) in the nature of promissory notes, denominated in US Dollars, issued by the State Bank of India in accordance with this Scheme;

(c) “State Bank of India” means the State Bank of India constituted under the State Bank of India Act, 1955 (23 of 1955);

(d) all other words and expressions used in this scheme but not defined, and defined in the Act and the Foreign Exchange Regulation Act, 1973 (46 of 1973), shall have the meanings respectively assigned to them in those Acts.

3. Face Value of FEBs:—The FEBs shall be issued in denominational value of US Dollars 500, US Dollars 1000, US Dollars 5000, US Dollars 10,000 and US Dollars 50,000.

4. Period of maturity:—The period of maturity of FEBs shall be five years from the date of allotment.

5. Persons who are eligible to apply for FEBs:—

(1) Non-Resident Indians (hereinafter referred to as NRIs), Overseas Corporate Bodies (hereinafter referred to as OCBs) and banks acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs and OCBs may apply for the FEBs.

(2) Applications may also be made in the name of a minor, who is an NRI, through his guardian.

(3) Banks acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both may not disclose the names and addresses of NRIs or OCBs on whose behalf investment is being made, but, at no stage during the currency of FEBs, the banks shall hold these FEBs on behalf of any person other than NRIs or OCBs. Provided that the banks may be allowed to hold the FEBs on behalf of NRIs or OCBs other than those NRIs or OCBs on whose behalf investments in FEBs were made in the first instance.

6. Joint Holdings :—(1) The FEBs may be held in joint names of not more than two NRIs in the form of "Former or Survivor".

(2) The FEBs may also be held in the form of "Former or Survivor" by an NRI jointly with any person of Indian nationality, whether resident in India or not, and in such a case, the NRI shall be the first holder of the FEBs.

(3) The principal amount of the FEBs and the interest earned thereon shall be payable only to the first holder of the FEBs.

7. Addition of Joint Holder :—Subject to the provision of clause (1) of Paragraph 6, the holder of FEBs may be allowed to add as joint holder any other person who may be either an NRI or a resident in India, with instructions for payment to "Former or Survivor".

8. Rate of Interest and Interest Option :—(1) The rate of interest payable in respect of FEBs shall be the rate of interest which is 0.5% above the rate applicable to 3 years Foreign Currency Non-Resident Accounts in US Dollar deposits in India, prevailing as on the opening date of the issue of FEBs.

(2) The interest shall be payable on cumulative or non-cumulative basis, at the option of the applicant to be given at the time of application;

Provided that the option once exercised shall not be changed except on grounds of serious

illness, financial distress or such similar situation, as the State Bank of India may decide in each case.

(3) Interest on application money at the rate applicable for FEBs, shall in each case, irrespective of interest option, be paid, in US Dollars (based on one year of 365 days) from the date of receipt of the application, complete in all respects, at the designated branches of the collecting banks, to the date immediately preceding the date of allotment;

Provided that in computing the interest, under this paragraph, the period of ten days from the date of receipt of the application, complete in all respects, shall be excluded.

9. Periodicity of payment of interest. —(1) Interest on FEBs payable on cumulative basis shall be compounded half-yearly and paid alongwith the principal amount on maturity.

(2) Interest on FEBs payable on non-cumulative basis shall be paid half-yearly, first payment being made on the expiry of 6 months from the date of allotment.

(3) If the holder of the FEBs becomes a resident in India before maturity of the FEBs, or if the holder of the FEBs is a resident in India, the interest shall be paid in non-repatriable Indian Rupees at the State Bank of India Telegraphic Transfer buying rate (hereinafter referred to as SBI TT buying rate) for US Dollars prevailing on the date immediately preceding 15 days from the date on which the interest becomes due for payment and if the preceding 15th day is a Sunday or holiday, the next working day's SBI TT buying rate shall be taken into account.

10. Redemption of FEBs on maturity.—(1) The principal amount of the FEBs and the interest accrued thereon and unpaid shall be paid in US Dollars on the expiry of five years from the date of allotment if the holder of the FEBs is an NRI or OCB or a bank acting in a fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs.

(2) Where the holder of the FEBs becomes a resident in India or where the holder of the FEBs is a resident in India before maturity of the FEBs or where the FEBs are gifted to a person resident in India, the principal amount of the FEBs and the interest accrued thereon and unpaid shall be paid in non-repatriable Indian Rupees, at the SBI TT buying rate for US Dollars prevailing on the date of maturity of the FEBs.

(3) The FEBs shall be presented duly discharged with instructions regarding disposal of the proceeds to the Issuing Office, the State Bank of India, NRI Branch, P.O.Box 9551, 1st floor, Tulsiani Chambers, 122, Nariman Point, Bombay-400 021.

(4) Where the FEBs are presented for encashment after the date of maturity, no interest shall accrue thereon after the date of maturity, and in case of resident holder of the FEBs, the conversion rate, that is, the SBI TT buying rate for US Dollars, prevalent on the date of maturity shall apply.

11. Premature Encashment.—(1) Premature encashment of the FEBs may be permitted only in non-repatriable Indian Rupees. Conversion in case of premature encashment of FEBs shall be at the SBI TT buying rate for U.S. Dollars prevailing on the date of such encashment. The interest payable in case of premature encashment shall be calculated at the following rates:

TABLE

Encashed after	Rate of interest applicable
(i) 1 year from the date of allotment	7.5 %
(ii) 2 years from the date of allotment	8.0 %
(iii) 3 years from the date of allotment	8.5 %
(iv) 4 years from the date of allotment	9.0 %

Note.—The above rates are on the basis of an assumed rate of interest of 9.5 % per annum. In case of any change in the said assumed rate of interest, the above rates shall be proportionately changed.

(2) Where interest is payable on FEBs on non-cumulative basis, necessary adjustment shall be made on account of the interest already paid.

(3) No interest shall be payable if the FEBs are presented for encashment before the expiry of one year from the date of allotment.

12. Transferability.—(1) FEBs are transferable by endorsement and delivery. FEBs are freely transferable among NRIs, OCBs and banks acting in a fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both.

(2) FEBs are also transferable from NRIs or OCBs or banks acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both to persons resident in India or charitable trusts in India through gift or sale against non-repatriable Indian Rupees.

(3) FEBs are also transferable among persons resident in India.

(4) The transfer shall be registered with the Issuing Office or its Transfer Agent on payment of a service fee.

(5) Where interest on FEB is payable on non-cumulative basis, transfer shall not be permitted during the 15 days immediately preceding the date on which interest becomes due for payment.

13. Immunity and Exemption.—NRIs or OCBs, or the Bank acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both or any persons resident in India to whom a gift of FEBs has been made by such NRIs or OCBs or bank acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both shall be provided immunities and exemptions, as provided in sections 6 and 7 of the Act.

14. Treatment of FEBs after return of holders to India or if the FEBs are gifted to a person resident in India or charitable trust in India —

Where a holder of FEBs becomes resident of India or gifts FEBs to a person resident in India or charitable trust in India, FEBs shall continue to be denominated in US Dollars till maturity, irrespective of the residential status of that holder.

Provided that once the holder of the FEBs becomes a resident of India or the FEBs are gifted or transferred to a person resident in India or a charitable trusts in India, the interest and maturity proceeds of the FEBs shall be payable in non-repatriable Indian Rupees as provided in paragraphs 9 and 10.

15. Loans and Advances.—Holders of the FEBs, or as the case may be, first holder in case of joint holdings, may get loans in non-repatriable Indian Rupees from banks in India in accordance with the guidelines issued by the Reserve Bank of India, from time to time in this regard. Repayment of both interest and principal of such loans shall be either from the interest earned on the FEBs or maturity proceeds or both of the FEBs or by fresh foreign currency remittances from abroad or from balances in Foreign Currency Non-Residents Accounts or Non-Resident External Accounts.

16. Maximum purchase.—Any number of FEBs may be purchased by NRIs or OCBs or banks acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both.

17. Mode of subscription.—Subscriptions for the FEBs may be made in Cash, Cheque, Bank draft, or Telegraphic Transfer remittances denominated in US dollars. Funds held in Non-Resident External (Rupee) Account, or Foreign Currency Non-Resident Account maintained in India may also be used after conversion into US dollars. Full amount of the FEBs applied for shall be payable on application.

18. Application and allotment.—(1) Applications by NRIs or OCBs or banks acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both, shall be made—

(i) in the form as may be prescribed by the Reserve Bank of India, in accordance with the instructions contained in the said form.

Provided that if the said form is not available, a photocopy of the aforesaid form may be used;

(ii) in multiples of US Dollars 500 only.

(2) An applicant may submit any number of applications during the period the issue remains open.

(3) Where an application is made on behalf of an individual in terms of Power of Attorney, the relevant Power of Attorney or a duly certified copy thereof shall be attached to the application form.

(4) Applications submitted by banks acting in fiduciary capacity on behalf of NRIs or OCBs or both shall be accompanied by a certificate, as may be prescribed by the Reserve Bank of India, confirming the bank's status and eligibility for applying for FEBs.

(5) Applications submitted by OCBs shall be accompanied by a certificate, as may be prescribed by the Reserve Bank of India, confirming their status and eligibility for applying for FEBs.

19. Disposal of Applications and Application Money.—(1) State Bank of India shall have the right to accept or reject any application without assigning any reason. If any application is not accepted, the whole of the application money received shall be refunded to the applicant within 15 days from the date of closure of the issue without any interest.

(2) FEBs shall be allotted within 60 days from the date of the closure of the issue, whereafter they shall be despatched by post to the applicant. In cases where applications are accepted and no allotments are made, refund cheques or pay orders, drawn in US Dollars payable at New York, shall be despatched by post to the applicant.

(3) Where an application has been made for joint holding, refund orders, if any, shall be issued in the name of the first applicant and all communications shall be addressed to the said applicant.

20. General.—The Reserve Bank of India shall, depending upon the difficulties arising out of the practices or enactments of the countries where the FEBs may be sold, shall have powers to make changes in the scheme not inconsistent with the provisions of the Act.

[File No. F. 1/27/EC/91]

P.S. ARORA, Joint Controller

